नाम → अनमोल कपूर रोल नं० → 32।

Topic

Date

# संरचनात्मक हिंसा

संरचनात्मक हिंसा → यह हिंसा की स्थायी अवस्था है। जो राजनीतिक तथा आर्थिक संरचनाओं में पहले से ही मौजूद होती है। संरचनात्मक हिंसा को अप्रत्यक्ष हिंसा के रूप में भी जाना जाता है। यह हिंसा समाज में फैली विषमताओं के कारण होती है। यह समाज में फैले श्रेणीबद्ध संबंधों का परिणाम है। समाज में ऊँचा वर्ग निचले वर्ग का दमन व शोषण करता है। संरचनात्मक हिंसा सामाजिक प्रणालियों में स्पष्ट दिखाई देती है और शोषणकारी उपायों से जारी रहती है। भेदभाव के फलस्वरूप लोग बुनियादी सुविधाओं जैसे → अच्छी शिक्षा, आवास और काम करने के अवसरों से वंचित रहते है। आत्म - संतुष्टि के अवसरों का अभाव, जाति, धर्म, आर्थिक स्तर या आयु हो सकती है। मानव अधिकारों और सम्मान की अवहेलना के कारण प्रत्येक मानव का अधिकतम विकास नहीं हो पाता है। यदि बालिकाओं की शिक्षा की आवश्यकता लिंग भेद के कारण पर्याप्त रूप से नहीं हो पाती है तो इससे असमान जीवन स्थिति बन जाती है। बहुत से समाजों में कुछ लोगों को प्रोटीन या स्वास्थ्य देखभाल से वंचित रखा जाता है जबकि कुछ व्यक्ति विलासपूर्ण जीवन व्यतीत करते है। इससे अप्रत्यक्ष और कपटपूर्ण स्वरूप होने के कारण बंधुआ संरचनात्मक हिंसा मानव मूल्यों को हानि पहुँचाने और जीवन अवधि कम करने में धीरे - धीरे काम करती है। संरचनात्मक हिंसा की अवधारणा राजनीतिक दमन और आर्थिक निराशा में अंतर्निहित संघर्ष के गहरे कारण

Topic Date

समझने में हमारी सहायता करती है। व्यक्तिगत हिंसा द्वारा संकलन सामाजिक अन्याय बनाए रखा जा सकता है। संरचनात्मक हिंसा समाज में अधिक आसानी से देखी जा सकती है, वह भय और दमन से नियंत्रित की जाती है। संरचनात्मक हिंसा को काफी लम्बे समय तक चुनौती नहीं दी जाती है। संरचनात्मक हिंसा की कुछ श्रेणियाँ, जैसे सत्तावाद या लिंग और प्रजाति पर आधारित भेद-भाव की विशेष रूप से सांस्कृतिक मानदंडों द्वारा अनदेखी की जाती है।

Topic ______ Date ______

# संरचनात्मक हिंसा और प्रत्यक्ष हिंसा में अंतर

| | संरचनात्मक हिंसा | | प्रत्यक्ष हिंसा |
|---|---|---|---|
| 1) | संरचनात्मक हिंसा को अप्रत्यक्ष हिंसा के रूप में भी जाना जाता है। | 1) | यह हिंसा का एक ऐसा प्रकार है। जिसे वास्तविक हिंसा या प्रत्यक्ष हिंसा के रूप में स्वीकार किया जाता है। |
| 2) | यह हिंसा की स्थायी अवस्था है। जो राजनीतिक तथा आर्थिक संरचनाओं में पहले से ही मौजूद होती है। | 2) | प्रत्यक्ष हिंसा बल द्वारा किया जाने वाला ऐसा प्रयास है। जिसमें एक व्यक्ति या समूह दूसरों को शारीरिक हानि या चोट पहुँचाता है। |
| 3) | यह समाज में फैले श्रेणीबद्ध संबंधों का परिणाम है। समाज में ऊँचा वर्ग नीचले वर्ग का दमन व शोषण करता है। | 3) | प्रत्यक्ष हिंसा के कारण संरचनात्मक हिंसा की स्थिति पैदा हो जाती है। इसे व्यक्तिगत हिंसा के नाम से भी जाना जाता है। |

Topic ____ Date ____

| | |
|---|---|
| 4) संरचनात्मक हिंसा में मानवीय कठिनाईयाँ जैसे → गरीबी, भूख, दमन, और समाजिक बहिष्कार के कारण उत्पन्न असमानतावादी और भेद-भावपूर्ण व्यवहार होता है। | 4) प्रत्यक्ष हिंसा में शारीरिक चोटें तथा पीड़ा पहुँचाने, हत्या करने, पीटने और भला-बुरा कहने से है। |
| 5) संरचनात्मक हिंसा सामाजिक प्रणालियों में स्पष्ट दिखाई देती है और शोषणकारी उपायों से जारी रहती है। | 5) प्रत्यक्ष हिंसा दिखाई देने वाली और सुस्पष्ट होती है। |
| 6) संरचनात्मक हिंसा के कारण केवल मानव शरीर ही प्रभावित नहीं होती बल्कि उसकी बुद्धि और आत्मा पर भी इसका प्रभाव पड़ता है। | 6) प्रत्यक्ष हिंसा किसी व्यक्ति के शरीर पर या उसकी मनोवैज्ञानिक एकता पर जानबूझ कर किया गया प्रहार है। |
| 7) यह अन्यायपूर्ण आर्थिक और सामाजिक संबंधों पर आधारित है। यह कठिन संरचनाओं के भीतर पाया जाता है। | 7) प्रत्यक्ष हिंसा जैसे → हत्या, चोट, जब्त, दमन, कारावास, असमाजीकरण, पुनः समाजीकरण, निकासन तथा निवासन आते हैं। |

• संरचनात्मक हिंसा

Topic ______ Date ______

असमान आदान - प्रदान की स्थिति के कारण होती है। इससे लोग जो विकास की प्रक्रिया का लाभ नहीं उठा पाते हैं।

- वे गरीबी और भूख से मरते हैं
- उनमें आपराधिक क्रियाएँ जन्म लेती हैं।
- वे गरीबी और कुपोषण के कारण बीमारियों में घिर जाते हैं।
- इससे वे लोग अपनी मानसिक स्थिति के कारण संरचनात्मक हिंसा को सह लेते हैं।

8) शोषणकारी दशाएँ लम्बे समय तक बनी रहने के कारण प्रबल प्रतिरोध उत्पन्न करती हैं जैसा कि अफ्रीका और एशिया में पश्चिमी औपनिवेशिक

8) पोल पोट ने भय पैदा करके अपने शासन को मजबूत करने के लिए 1970 के दशक के उत्तरार्द्ध में कम से कम दस लाख कम्बोडियाइयों को मार डाला। नरसंहार

Topic Date

| | |
|---|---|
| शासन के विरुद्ध स्वतन्त्रता आंदोलन के रूप में व्यक्त हुआ। | प्रत्यक्ष हिंसा का प्रमुख रूप है। |

निष्कर्ष :→ समाज को कमजोर करने वाले प्रत्यक्ष और संरचनात्मक प्रभाव चाहे वे नकारात्मक हो या सकारात्मक दोनों ही शांति को संकट में डालते है।